न्यायालय न्याय निर्णयन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, चित्तौड़गढ़

पीठासीन अधिकारी– रतन कुमार (आर.ए.एस.)

प्रकरण संख्या	दायर दिनांक	निर्णय दिनांक
030/2017 (GCMS 2017/00137)	**01.05.2017**	**24.03.2021**

अनवान

सरकार जरिये खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिकारी, चित्तौड़गढ़ जिला चित्तौड़गढ़ (राज.)

प्रार्थी

बनाम

1. प्रेम प्रकाश पुत्र ईश्वरदास उम्र 31 वर्ष (विक्रेता/मालिक) मैसर्स प्रेम एजेन्सी, गुरूद्वारे के सामने, प्रतापनगर, चित्तौड़गढ़
निवासी 49, विश्वनाथ कॉलोनी, प्रतापनगर, चित्तौड़गढ़।
2. सत्यप्रकाश चौहान पुत्र मनीराम (नोमिनी)
निवासी म.सं. 51/11/1 एफ बी, जे.पी. कॉलोनी, वेस्ट अर्जुन नगर पुलिस थाना शाहगंज, तहसील व जिला आगरा उत्तर प्रदेश पिन 282001
मैसर्स वरूण ब्रेवरेजेज लिमिटेड, एसपीलएल–1–159, रिको इण्डस्ट्रीयल एरिया फैज III, बोरानाडा, जोधपुर 342007
3. मैसर्स वरूण ब्रेवरेजेज लिमिटेड, एसपीलएल–1–159, रिको इण्डस्ट्रीयल एरिया फैज III, बोरानाडा, जोधपुर 342007 (कम्पनी ब्रान्च) फोन नम्बर 02931 231229
4. मैसर्स वरूण ब्रेवरेजेज लिमिटेड,
बी, पृथ्वीराज रोड, नई दिल्ली 110020
फोन नम्बर 0120 46300300, 4600350

अप्रार्थीगण

–:: जुर्म अन्तर्गत धारा 26 की उप धारा 2(ii) एफएसएस एक्ट 2006 नियम 2011 ::–

–:: निर्णय ::–

प्रकरण का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेंद्र सिंह राणावत ने परिवाद अन्तर्गत धारा 26 की उप धारा 2(ii) के तहत विरूद्ध अप्रार्थीगण के प्रस्तुत कर निवेदन किया कि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनांक 23.05.2016 को कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी चित्तौड़गढ़ खाद्य सुरक्षा अधिकारी का कार्य संपादन कर रहे थे, और इन्हें राज्य सरकार द्वारा राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना क्रमांक **FH/PFA/Notification/2011/440 Dated 25-07-2011** के अनुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारी पद पर नियुक्त किया गया है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं निदेशक (जन. स्वा.) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं राजस्थान, जयपुर के आदेश क्रमांक/एफएसएसए/2016/

Signature Not Verified
Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:08 IST
Reason: SelfAttested
सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

465 दिनांक 03.05.2016 के अनुसार इनका कार्य क्षेत्र जिला चित्तौड़गढ़ आवंटित किया गया था और जिला चित्तौड़गढ़ के अंतर्गत आने वाले समस्त स्थानीय क्षेत्र इनके कार्य क्षेत्र में आते हैं। गजट नोटिफिकेशन, अधिसूचना एवं आदेश की सत्यापित छाया प्रतियाँ न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनांक 23.05.2016 को समय 12.20 पीएम पर मैसर्स प्रेम एजेन्सी, गुरूद्वारे के सामने प्रतापनगर, चित्तौड़गढ़ पर पहुँचें। वहां पर प्रेम प्रकाश पुत्र ईश्वर दास उक्त फर्म में विक्रेता/मालिक की हैसियत से खाद्य पदार्थ **Fruit Drink** (**Tropicana Slice**) व अन्य कोल्ड ड्रिक्स आदि आम जनता को विक्रय हेतु कर रहे थे एवं विक्रय हेतु अपने कब्जे में रखे हुए थे। मौके पर विक्रेता से वर्ष 2016 का खाद्य लाईसेन्स प्रस्तुत करने हेतु कहा गया, जो कि विक्रेता द्वारा खाद्य अनुज्ञा पत्र शुल्क जमा कराने की ऑन लाईन भुगतान रसीद प्रस्तुत की। मौके पर गवाहान महेन्द्र सिंह एवं अजय भाई दासानी की उपस्थिति में आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने अपना परिचय पत्र विक्रेता को दिखाकर परिचय दिया एवं विक्रेता से परिचय लिया तत्पश्चात विक्रेता व गवाहान की उपस्थिति में उक्त फर्म का निरीक्षण करने पर 18 सील्ड कार्टन **Fruit Drink** (**Tropicana Slice**) (सभी कार्टून में कुल 216 सील्ड प्लास्टिक बोतल 1.2 लीटर की व सभी एक ही बेच की) विक्रय हेतु रखे पाये गये। उक्त 1 सील्ड प्लास्टिक बोतल को ध्यान से देखने पर उस पर **Fruit Drink** (**Tropicana Slice**) बैच नम्बर–**ABN5249B18D16**, नेट वेट– 1.2 लीटर, एमआरपी– 65/–, **Date of MFG- 18-04-2016**, **best before 6 Months from MFG, MFG By - Varun Beverages Ltd. Plot**–2, **Suraj pur Bypass, Greater Noida- 201306** (**U.P.**) आदि अंकित पाया गया विक्रेता के पास उक्त **Fruit Drink** (**Tropicana Slice**) का खरीद इन्वोईस नम्बर 1141094786 दिनांक 14. 05.2016 **Varun Beverages Ltd. Jodhpur** पाया गया। मिलावट की शंका होने पर उक्त खाद्य पदार्थ का नमूना एफएसएसए एक्ट 2006 के तहत जॉच हेतु लेने के लिए विक्रेता को अवगत कराया गया तत्पश्चात नमूना वास्ते जांच हेतु लेने की सूचना फार्म नम्बर **V A** की प्रति गवाहान की उपस्थिति में तैयार कर विक्रेता को देकर प्राप्ति रसीद ली, जो की न्याय निर्णयन आवेदन के साथ मूल प्रति संलग्न है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा उक्त खाद्य पदार्थ के 1 सील्ड कार्टून को खुलवाकर 4 सील्ड बोतल 1.2 लीटर की वास्ते नमूना जाँच हेतु खरीदा, जिसकी कीमत विक्रेता को रूपये 237/– नगद देकर रसीद प्राप्त की जिस पर विक्रेता तथा मौके पर उपस्थित गवाहान के हस्ताक्षर करवाये एवं तस्दीक कर स्वयं खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने हस्ताक्षर किया जो न्याय निर्णायन आवेदन के साथ मूल प्रति संलग्न है। साथ ही उक्त फर्म द्वारा प्रस्तुत खाद्य पदार्थ के क्रय बिल की प्रति व खाद्य अनुज्ञा पत्र हेतु शुल्क जमा रसीद की प्रति भी संलग्न है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने उक्त खरीदशुदा खाद्य पदार्थ को चार बराबर–बराबर भागों में (प्रत्येक भाग में 1 सील्ड बोतल) बाट कर अलग–अलग रखा। उक्त नमुना भागों हेतु

Signature Not Verified
Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:08 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

04 लेबल तैयार कर प्रत्येक नमूना भाग पर लेबल चिपकाये लेबल पर खाद्य पदार्थ का नाम, स्थान व दिनांक आदि अंकित कर आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने गवाहान व व्यापारी ने हस्ताक्षर किये थे। चारों नमूना भागों को अलग–अलग खाकी कागजों में लपेट कर प्रत्येक भाग पर अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ की हस्ताक्षरशुदा पेपर स्लिप संख्या **AM-677** नियमानुसार प्रत्येक नमूना भाग पर ऊपर सीरे से लेकर नीचे पेंदे तक व वापस सीरे तक लगातार गोलाई में गोन्द से चिपकाई एवं धागे से बांध कर नियमानुसार सील चपडी किया। एक सील नमूना भाग के सीरे पर एक पेंदे पर एवं दाई और एवं एक बाई और लगाई। प्रत्येक नमूना भाग पर मालिक के हस्ताक्षर नियमानुसार इस प्रकार करवायें कि पेपर स्लिप व रेपर दोनों पर आवें एवं सीलबन्द नमुनों पर गवाहान के हस्ताक्षर कराकर नमुने का पुर्ण विवरण लिखकर आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर कर चारों नमूना भागों को अपने कब्जे में लिया। विक्रेता को उक्त नमुने के एक भाग (चौथा भाग) को एक्रीएटेड लैब में जॉच कराने की जानकारी मौके पर ही आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा दे दी गई थी। आवेदक खाय सुरक्षा अधिकारी ने मौके पर फर्द रिपोर्ट तैयार कर मालिक एवं गवाहान को पढ़कर, सुनाकर एवं समझाकर हस्ताक्षर करने को कहा जिसे विक्रेता एवं मौके पर उपस्थित गवाहान ने भी पढकर, समझकर व सही मानकर हस्ताक्षर किये। जिस सील से नमूना सील चपड़ी किया गया, उसका मोनोग्राम मौके पर ही मौका पंचनामा पर अंकित किया गया। फर्द रिपोर्ट न्याय निर्णयन आवेदन के साथ असल प्रति संलग्न है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने कार्यालय पहुँच कर फार्म नं. 6 की प्रतियाँ तैयार की और प्रत्येक पर वह नमूना सील अंकित की, जिससे नमूना सील किया। एक नमूना भाग मय फार्म सं. 6 की प्रति के आउटर कवर में सीलबन्द कर सील मोहर कर एवं दो प्रति फार्म नं. 6 की अलग से सील्ड लिफाफे में पत्रवाहक के साथ खाद्य विश्लेषक, खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला. उदयपुर को जमा करवाने हेतु भिजवाया। एक नमूना भाग मय फार्म सं. 6 की प्रति एवं एक प्रति फार्म नं. 6 की अलग से सील लिफाफे में जमा की खाद्य विश्लेषक, उदयपुर से अलग–अलग रसीद प्राप्त की गई जो न्याय निर्णयन आवेदन के असल प्रति संलग्न है। दो सील बन्द नमूना भाग नय फार्म नं. 6 की दो प्रतियों के आउटर कवर में सील बन्द कर तथा नमूने का चौथा भाग अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ को जमा कराकर रसीद प्राप्त की जो न्याय निर्णयन आवेदन के साथ असल प्रति संलग्न है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी को अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ के पत्र क्रमांक एफएसएसए/2016/3997 व 3998 दिनांक 08.07.2016 द्वारा ज्ञात हुआ कि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा उक्त खाद्य पदार्थ का नमूना वास्ते जाँच क्रय किया गया

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:08 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

था जो कि मिस–ब्राण्डेड होना पाया गया। जाँच रिपोर्ट न्याय निर्णयन आवेदन के साथ असल प्रति संलग्न है। उक्त फर्म मैसर्स प्रेम एजेन्सी के संविधान के सम्बन्ध में आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा रजिस्टर्ड पत्र से जानकारी चाही गई जिनका प्रति–उत्तर मूल ही मय पोस्टल रसीद के संलग्न है। साथ ही वाणिज्यक कर विभाग द्वारा जारी प्रति–उत्तर की प्रति भी संलग्न है। मैसर्स **Varun Beverages Ltd. Jodhpur** को आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा फार्म–5 ए की प्रति प्रेषित की गई थी, उक्त पत्र की कार्यालय प्रति न्याय निर्णयन आवेदन के साथ असल प्रति संलग्न है। मैसर्स **Varun Beverages Ltd. Jodhpur** से आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा रजिस्टर्ड पत्रांक 5846 दिनांक 28.11.2016 व रजिस्टर्ड पत्रांक 1278 दिनांक 30.03.2017 व रजिस्टर्ड पत्रांक 1276, 1277 दिनांक 30.03.2017 के द्वारा उनकी फर्म के संविधान, नोमिनी, उक्त नमुने के खरीद बिल के संबंध मे सूचना चाही गई थी के प्रतिउत्तर में मात्र अपनी फर्म के नोमिनी की सूचना उपलब्ध कराई गई। उक्त फर्म मैसर्स **Varun Beverages Ltd. Jodhpur** द्वारा उक्त नमूने के खरीद बिल आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी को उपलब्ध नहीं कराया गया। उक्त पत्रों की कार्यालय प्रति मय मूल पोस्टल रसीदों के व प्राप्त मूल प्रति–उत्तर न्याय निर्णयन आवेदन के साथ असल प्रतियॉ संलग्न है। साथ ही वाणिज्यिक कर विभाग जयपुर द्वारा जारी प्रति उत्तर की प्रति भी संलग्न है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा प्रकरण के समस्त दस्तावेज पत्रांक 3997 दिनांक 08.07.2016 की पालना में अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी चित्तौड़गढ़ को जमा कराये गये जिस पर कार्यालय के पत्र क्रमांक एफएसएसए/2017/1646 दिनांक 17.04.2017 के द्वारा आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी को उक्त केस मे न्याय निर्णयन आवेदन फाईल करने हेतु प्राधिकृत किया है, जो न्याय निर्णयन आवेदन के साथ असल प्रति संलग्न है। उक्त प्रकरण में उक्त अभियुक्तगणों ने मिस–ब्राण्डेड **Fruit Drink** (**Tropicana Slice**) का विक्रय करके खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा 2 (**II**) का उल्लघन किया है जिसका जुर्माना खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 52 मे निर्धारित है। अन्त में आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा प्रार्थना की गई कि उपरोक्त आवेदन न्याय निर्णयन प्रस्तुत कर दिया गया है जिसे स्वीकार निवेदन है कि उक्त अभियुक्तगणों पर अधिकतम जुर्माना लगाया जाए ताकि आम जनता को सुरक्षित खाद्य उपलब्ध कराया जा सके।

इस पर प्रार्थी खाद्य सुरक्षा अधिकारी, कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ द्वारा प्रस्तुत परिवाद को दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थी को जरिये नोटिस के तलब किया गया। इस पर दिनांक 25.05.2017 को अप्रार्थी संख्या 1 की और से उनके अधिवक्ता हाजिर आये अधिकार पत्र पेश किया जो शामिल पत्रावली है। दिनांक 22.11.2018 को अप्रार्थी संख्या 1 से लगायत 4

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:08 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

तक की और उनके अधिवक्ता हाजिर आये जवाब परिवाद पेश किया गया जो कि शामिल पत्रावली है। विपक्षीगण ने अपने जवाब परिवाद में बताया कि With respect to the above mentioned alleged contravention of regulabon 3.1.10.(1) of Food Safety and Standards (Food Products Standards and Food Additives) Regulations, 2011, it is submitted as under:

NO OFFENCE MADE OUT UNDER REGULATION 3.1.10(1) OF FSS (FPS & FA) REGULATIONS, 2011:

At the outset, the report of Food Analyst dated 22/06/2016, declaring the Sample "Misbranded' on account of prining on label "ADDED FLAVOUR (NATURAL AND NATURAL-IDENTICAL AND ARTIFICIAL FLAVOURING SUBSTANCES)' and thus declaring the same to contravene Regulation 3.1.10(1) of The Food Safety and Standards is misconceived, wrong, incorrect and accordingly the present complaint which has been hled solely on the basis of said report, is also not maintainable and deserves to be rejected out rightly.

That the declaration of Food Additives has been made as per the prescribed Rules made therein in this behalf under FSS (PSL) Regulations, 2011 and therefore present complaint is liable to be dismissed on this account only. That the alleged sample contains permitted additives (330, 440, 202, 300) as Food Additives and the same have been declared on the label in the prescribed format as provided under Reg. 2.2.2.5(ii) (b) & (C) of Food Safes, and Standard (Packaging and Labelling) Regulations, 2011 Also the flavors that have been added are mentioned on the label as required under the applicable Regulations discussed above. Therefore, all the declarations made on the answering Opposite Party's package are in conformity with the applicable Regulation.

That if we look at Regulation 3.1.10 of The Food Safety and Standards (Food Products Standards and Food Additives) Regulations, 2011, it states as under:-

"3.1.10: Flavouring Agents and Related Substances

(1) Flavouring Agents: Flavouring agents include flavour substances, flavour extracts or flavour preparations, which are capable of imparting flavouring properties, namely taste or odour or both to food. Flavouring agents may be of following three types:-

(i) Natural Flavours and Natural Flavouring substances means flavour preparations and single substance respectively, acceptable for human consumption, obtained exclusively by physical processes from vegetables, for human consumption.

(ii) Nature-Identical Flavouring Substances means substances chemically isolated from aromatic raw materials obtained synthetically, they are chemically identical to substances present in natural products intended for human consumption, either processed or not.

(iii) Artificial Flavouring Substances means those substances which have not been identified in natural products intended for human consumption either processed or not;

That the alleged sample of 1.2 liter of Fruit Beverage (Tropicana - Slice) contains added flavour of only the type as mentioned under sl. no. (1), and the added flavor mentioned under sl. No. (ii) and (iii), of the aforementioned Regulation 3.1.10(1) and it was rightly mentioned on the Label of the alleged Sample as described in the Food Analyst report.

Signature Not Verified
Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:08 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

That the declaration on the label has been made as per the actual ingredients contained in the pack and has made the declaration as required under the applicable Regulations.

That the Food Analyst has merely stated that the declaration has not been made as per Regulation 3.1.10.(1), however, failed to describe as to what is the deficiency in the label. Thus, it is crystal clear that no offence has been made out under the Regulation 3.1.10(1) of FSS (FPS & FA) Regulations, 2011, and report of the Food Analyst dated 06.06.2016 declaring the Sample "Misbranded" on account of contravention of the above-mentioned Regulations is misconceived and therefore, not maintainable. The present complaint deserves to be dismissed on this account only.

SAMPLE IS NOT MISBRANDED:

That the opinion of the Food Analyst declaring the alleged sample "misbranded" under Section 3(1)(zf)(C)(i) of Food Safety and Standards Act, 2006 is misconceived and baseless.

Section 3(1)(zf)(C)i) of FSSA, 2006 is reproduced as under:-

(zf) Misbranded Food means an article of food –

(C) If the article contained in the package.

(i) contains any artificial flavouring, colouring or chemical preservative and the package is without a declaratory label stating that fact or is not labelled in accordance with the requirements of this Actor regulations made thereunder or is in contravention thereof; or

That the Food Safety Officer has alleged violation of Section 26(2)(ii) of the FSSA, 2006, which provides as under:-

26. Responsibilities of Food Business Operator:-

(2) No food business operator shall himself or by any person on his behalf manufacture, store, sell or distribute any article of food-

(ii) which is misbranded or sub-standard or contains extraneous matter; or

On bare perusal of the above mentioned provision, it is clear that food is said to be misbranded only when the article contained in the package is not labelled in accordance with the requirement of this Act or Regulations made thereunder. It is pertinent to mention that labelling requirements are provided under Food Safety and Standards (Packaging and Labelling) Regulations, 2011 and the same have been followed in this case diligently.

Therefore, Food Safety Officer's allegation in its present complaint that an offence under Section 26(2)(ii) of the FSSA, 2006 has been committed is wrong and baseless as the Food Analyst's report failed to prove any misbranding on the alleged sample product. Therefore, there is no violation of any provisions of the above mentioned Regulations.

That the answering Opposite Party has sold its product in conformation to the applicable Regulations and thus in such circumstances, the report of the Food Analyst is vague and misconceived and cannot be relied upon.

RIGHT OF REANALYSIS U/S 46(4) HAS BEEN DENIED:

That as per Section 46(4) of the FSS Act, 2006 read with Rule 2.4.6 of the FSS Rules, 2011, wherein in case if FBO is not satisfied with the report of the Food Analyst, it has a right to file an Appeal before the D.O. to get the second sample analyzed by Referral Food Laboratory

Signature Not Verified
Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:08 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

(RFL). However, in this matter the answering opposite parties did not receive any notice from the DO/Food Safety Department providing a copy of the Food Analyst report along with an opportunity to file an appeal for getting the alleged sample reanalyzed which is evident from the complaint itself and therefore valuable right of Answering Opposite Parties have been deprived from exercising their valuable rights of re-analysis of the alleged sample which goes to the root of the matter and vitiates the whole proceedings.

By not providing such intimation/apportunity to the Appellants, the complainant has deprived the Appellants from exercising their valuable statutory right getting the alleged sample reanalyzed from the Referral Food Laboratory thus the complaint was liable to be rejected on this account

The hon'ble Supreme Court in the matter of Municipal Corporation of Delhi vs Ghisa Ram reported in AIR19675C970 has observed as under:-

"In a case where there is denial of this right on account of the deliberate conduct of the prosecution, we think that the vendor, in his trial, is so seriously prejudiced that it would not be proper to uphold his conviction on the basis of the report of the Public Analyst, even though that report continues to be evidence in the case of the facts contained therein."

Though the above judgment has been passed under the old law 'Prevention of Food Adulteration Act, however, the same is still applicable as the new law Food Safety and Standards Act, 2009 also states the similar provision of reanalysis of the sample and therefore is applicable in the present matter with full force.

That further in the matter of Leela Devi Vs. State of Rajasthan & Anr. reported in 2012(3) Crimes498, the hon'ble Rajasthan High Court in para 9 has observed as under :-

"........In any event, the accused have a statutory right to challenge the report of the Public Analyst by having the second sample analysed by the Central Food Laboratory and that too, before the expiry date or the best before date."

Hence the complaint under reply is liable to be dismissed on this ground.

Test not carried out by notified Laboratory and lacks evidentiary value :

That Section 43 empowers the Food Authority to notify Food Laboratories and accredited research institutions accredited by National Accreditation Board for Testing and Calibration Laboratories or any other accreditation agency for the purposes of carrying out analysis of samples by the Food Analyst under the Act.

Section 43 of the Act is reproduced as under:-

43. Recognition and accreditation of laboratories, research institutions and referral food laboratory.-

(1) The Food Authority may notify food laboratories and research institutions accredited by National Accreditation Board for Testing and Calibration Laboratories or any other accreditation agency for the purposes of carrying out analysis of samples by the Food Analysts under this Act.

That Food Authority vide powers u/s 43 of the Act has notified accredited laboratories vide notification no. S.O. 1299(E) dt. 29.03.2016 notified on 04.04.2016. A copy of notification dt. 29.03.2016 is attached and marked as

Annexure- A. On bare perusal of notification dt 29.03.2016 it is crystal clear that the alleged sample was not analysed in any of the accredited laboratory as notified vide said notification dt. 29.03.2016.

Signature Not Verified
Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:08 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

Since in the present case the report of the food analyst do not have any evidentiary value as the Laboratory of Udaipur is neither an accredited laboratory by National Accreditation Board for Testing and Calibration Laboratories ('NABL') for the purpose of analysis of Food Products, nor it is a notified laboratory as per the notification dated 29.03.2016 issued by Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI) which notifies NABL accredited Food Testing Laboratories for the purposes of carrying out analysis of samples taken under Section 47 of FSS Act. It is humbly submitted Laboratory of Udaipur (Rajasthan) cannot be said to be "food laboratory" within the meaning of Section 3 (p) of the FSS Act, 2006 which reads as-

Section 3(P) **"food laboratory"** means any food laboratory or institute established by the Central or a State Government or any other agency and accredited by National Accreditation Board for Testing and Calibration Laboratories or an equivalent accreditation agency and recognized by the Food Authority under section 43;

Further, notified laboratory has been defined under Regulation 1.2.1.1 of the Food Safety and Standards (laboratory and Sample Analysis) Regulations, 2011 as –

1.2: Definitions-

1.2.1: In these regulations unless the context otherwise requires:

1. Notified laboratory" means any of the laboratories notified by the Food Authority under sub-sections (1) and (2) of section 43 of the Act.

Thus, the lab in order to be qualified as food laboratory has to pass twin test viz. –

(a) it has to be accredited by NABL; and

(b) it has to be recognized by Food Authority under Section 43 of the Act. However, it is not clear whether the sample has been tested by the Food Laboratory as defined In Section 3(p) of the Act or not. Hence, the report of the food analyst in the present case cannot be relied upon to initiate adjudication proceedings as the Laboratory, Udaipur (Rajasthan), where the analysis of sampled article was carried out, is not a National Accreditation Board for Testing and Calibration Laboratories ('NABL) accredited laboratory for the purpose of analysis of Food Products. Moreover, said Laboratory is also not a notified laboratory as per notification dated 29.03.2016 issued by Food Safety and Standards Authority of India ('FSSAI') which notifies NABL accredited Food Testing Laboratories for the purposes of carrying out analysis of samples taken under Section 47 of FSS Act. Thus, the report of the food analyst in the present case has no evidentiary value and initiation of present proceedings on the basis of same are completely illegal, vague and abuse of the process of law. Therefore, the present enquiry against the answering Opposite Party is liable to be dropped on this account only.

Moreover the Food Safety Officer has failed to place on record the documents evidencing whether the Food Laboratory, where the said sample has been tested, is an accredited and notified lab or not and thus no reliance can be placed on the report of the Food Analyst. It is noteworthy to state that as per the ratio laid down by Bombay High Court in M/s. Nestle India Limited vs FSSAI & Ors; 2015(2)FAC 56, any lab which does not qualify both of the above tests cannot be designated as food laboratory and thus is not fit to analyze the sample

Signature Not Verified
Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:08 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

of the food. For the analysis report to have force of law, it ought to have been issued by a food lab duly qualified and competent as per the FSS Act to undertake the analysis of the food sample. The hon'ble High Court held as under:-

> Upon conjoint reading of both these sections quoted hereinabove, it is clear that under section 3(p), "food laboratory" is a laboratory which is either State or Central laboratory or any other allied laboratory which is accredited and recognized by NABL and by the Food Authority under section 43 of the Act. The laboratory, therefore, has to pass twin test be it can be said to be a recognized laboratory viz (1) it has to be accredited by NABL and over and above that (il) it has also to be recognized by the Food Authority under section 43 of the Act. Sub-section (1) of section 43 makes it abundantly clear that only in that laboratory which is recognized by the Food Authority by Notification, food can be sent for analysis by the Food Analyst.

It is further submitted that the report of the Food Analyst basis which the present proceedings have been initiated is neither comprehensive nor has any evidentiary value. The Answering Opposite Party craves leave of this Hon'ble Court to place its reliance upon the rational of law laid down by the Hon'ble High Court of Uttarakhand in a case titled Cargill India Private Limited vs. State of Uttarakhand, 2012 SCC Online Utt 2824 which is as under:-

> ".... In my opinion there was specific provision u/s 13(5) of the Old Act to use the report of the Public Analyst as evidence but no provision to this effect has been made in the new Act as to what would be evidentiary value of the reports...." Thus in the light of the said rational of law, it is comprehended that the report of the Food Analyst does not have any evidentiary value and thus such report of the Food Analyst cannot be relied upon.

OPINION NOT BASED ON ANALYSIS:

The opinion given in the report of Food analyst is not sustainable in law since the present proceedings merely rests upon the opinion as formed by the Food Analyst, Jaipur (Rajasthan) by bare reading of the label which essentially is a subjective opinion of the Food Analyst. The scheme of the FSS Act and Rules & regulations framed thereunder do not make it mandatory for the Food Analyst or the Director, Referral Food Laboratory (RFL) to give an opinion as part of his report.

The report of analysis can be safely divided in two main parts; the result of analysis and the opinion of analyst based on the result. The first part i.e. the result of analysis is integral to the report and compulsorily required to be stated in the report whereas the option of giving an opinion based on the results of analysis is left with the analyst. The law only makes the result of analysis legally admissible and binding and not the opinion of the analyst. Thus the very initiation of the present proceedings has been filed on wrongly relying upon the subjective opinion of the Food Analyst which is not binding in nature nor is legally admissible.

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:08 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

The opinion is beyond the scope of analysis of the sample as mandated under the FSSA and its rules and hence, the opinion given in the report of Food analyst is not sustainable in law.

The impugned sample of Fruit Beverages (Tropicana - Slice) being termed as misbranded and violating the FSS Act, Food Safety and Standards (Packaging and Labeling) Regulations, 2011 & Food Safety and Standards (Food Products Standards and Food Additive) Regulations, 2011 is based on merely subjective opinion and is bereft of any material particulars. It is thus left on this Hon'ble Court to determine whether the result of analysis constitutes any violation of the Act. The report of Food Analyst with respect to misbranding on account of label being not compliant is an opinion which is not based upon any analysis either chemical or physical. No reliance can be placed on any such report and in all such cases violation if any can only be determined by looking at the label, in these circumstances the initiation of the proceedings itself is the abuse of the process of law and deserve to be dismissed.

REPORT OF FOOD ANALYST IS IN VIOLATION OF SEC. 42(2) & 46(3) OF FSSA, 2006:

That the Food Safety officer took the alleged sample on 25.05.2016 and it was received for Analysis by the Food Analyst on 26.05.2016. The Food Analyst vide its report dated 22.06.2016 provided the result of the analysis. As per Sec. 42(2) & 46(3) of FSSA, 2006 the Food Analyst is bound to send the analysis report to the Designated Officer within a period of 14 days from the date of receiving the sample for the purpose of analysis.

Section 42(2) of FSSA, 2006 is reproduced as under-

42. Procedure for launching prosecution-

(2) The Food Analyst after receiving the sample from the Food Safety Officer shall analyse the sample and send the analysis report mentioning method of sampling and analysis within fourteen days to Designated Officer with a copy to Commissioner of Food Safety.

Section 46(3) of FSSA, 2006 is reproduced as under –

46. Functions of Food Analyst-

(3) The Food Analyst shall, within a period of fourteen days from the date of receipt of any sample for analysis, send

(i) where such sample is received under section 38 or section 47, to the Designated Officer, four copies of the report indicating the method of sampling and analysis;

Since the Food Analyst took more time than the time prescribed under the law fore the result of the analysis, the present Food Analyst Report is misconceived and has not complied with the mandatory procedure prescribed under the and provisions of FSSA, 2006 and accordingly the complaint was not maintainable and was liable to be dismissed.

SANCTION BY DO AND COMPLAINT FILED BY THE FSO FAILS TO DESCRIBE THE OFFENCE MADE:

That the sanction given by the Designated Officer is without application of mind and while giving sanction the Sanctioning Officer has not even mentioned the offence alleged to be made against the Answering Opposite Party. The sanction as well as complaint is made on a

Signature Not Verified
Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:08 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

pre-set proforma and no efforts has been placed to see whether any offence has really been made under the FSSA Act and Regulations made thereunder. While sanctioning the prosecution, the sanctioning officer has merely stated that the Food Safety Officer has found the sample to be misbranded on the basis of Food Analyst report and which an offence u/s 26 (2) (ii) of the Act and punishable u/s 52 of the Act and has not even seen the legal provisions under which the offence has been alleged.

Similarly, the complaint filed do not allege the details of the violations and merely stated that the sample was found to be misbranded vide Public Analyst report dt. 22.06.2016. The Complaint has been filed in routine and neither Food Safety Officer nor Designated Officer has looked into the Public Analyst report in its entirety and therefore failed to specifically justify how the alleged sample is found to be misbranded.

That M/s Varun Beverages Ltd. is a company registered under the Companies Act, 1956 and is the 2nd largest licensed franchisee of PepsiCo worldwide.

The Company is engaged in the manufacture and sale of Pepsi branded products and also distributes few products that are manufactured by the PepsiCo India Holdings Pvt. Ltd. 9. That the Company's products are manufactured in modern sophisticated plants and involves strict quality checks at various stages of manufacturing. That the Company strictly follows the standard prescribed under the Regulation of The Food Safety and Standards (Packaging and Labelling) Regulation, 2011.

It is pertinent to mention herein that Varun Beverages Ltd. is an ISO 22000 certified facility and has adopted stringent quality measures of international standards and has taken all the diligence and care to ensure high quality products for the consumer.

That Varun Beverages Ltd. also follows strict quality parameters prescribed by the PepsiCo. It is pertinent to mention herein that FSSC 22000 is an international standard developed for the certification of Food Safety Management Systems for food manufacturers.

Therefore, the Company has put stringent procedure at its manufacturing location so as to ensure that all applicable rules and regulations are complied with, which proves that the Varun Beverages Ltd. has certain process and system which ensures all reasonable precautions are exercised and all due diligence to prevent commission of the offence under the Act.

In view of above submissions, it is reiterated that the no offence has been made out by the answering Opposite Parties and the allegations made by the Food Safety Officer are not tenable under the law in view of legal provisions discussed above. In view of above submissions, it is most humbly submitted that the present complaint is dismissed in limine. The Answering Opposite Parties also prays to allow the defense as provided u/s 80(B)(1), 80(B)(2)(b)(i) and any other provisions under the FSS Act and present proceedings against the answering respondents no. 2,3 & 4 may kindly be dropped. अप्रार्थीगण की और से और से प्रस्तुत जवाब परिवाद शामिल पत्रावली होकर रिकार्ड पर है।

दिनांक 17.03.2021 को अधिवक्ता विपक्षीगण हाजिर आये एवं अपनी बहस पत्रावली में जवाब परिवाद में वर्णित तथ्यों को दोहराया एवं निवेदन किया गया कि जवाब परिवाद एवं न्यायिक दृष्टांतों के प्रकाश में अप्रार्थीगण के विरूद्ध कार्यवाही समाप्त की जावें।

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:08 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

इसी ईश्तदुआ के साथ विद्वान अधिवक्ता अप्रार्थीगण ने अपनी बहस पत्रावली समाप्त की। हमने पत्रावली का बागौर आद्यौपांत अवलोकन किया। तथ्यों का मनन किया। पत्रावली को वास्ते निर्णय रिजर्व किया गया।

पत्रावली वास्ते निर्णय पेश हुई। हमने पत्रावली का बागौर आद्यौपांत अवलोकन किया। पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजात का गहनता पूर्वक अध्ययन/परिशीलन किया। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा प्रस्तुत फार्म नंबर 5 ए की प्रति से जाहिर होता है कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा विक्रेता/मालिक को **Fruit Drink** (**Tropicana Slice**) का नमूना वास्ते जांच लेने हेतु सूचना दी गई जिस पर विपक्षी संख्या 1 एवं मौके के गवाहान के हस्ताक्षर हैं। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा नमूना लिये जाने हेतु विक्रेता/मालिक से नियमानुसार खाद्य पदार्थ क्रय किया गया जिसकी पुष्ठि नमूना खरीद बिल से होती हैं, उस पर भी विक्रेता एवं गवाहान की शहादत के रूप में हस्ताक्षर हैं। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा तैयार किया गया मौका फर्द रिपोर्ट दिनांक 23.05.2016 का अवलोकन किया। मौका फर्द रिपोर्ट दिनांक 23.05.2016 से जाहिर होता है कि उक्त खाद्य पदार्थ **Fruit Drink** (**Tropicana Slice**) जिसका नमूना खरीद बिल पत्रावली पर उपलब्ध है से क्रय किया एवं उस पर अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ की हस्ताक्षरशुदा पेपर स्लिप संख्या **AM-677** नियमानुसार प्रत्येक नमूना भाग पर ऊपर सीरे से लेकर नीचे पेंदे तक व वापस सीरे तक लगातार गोलाई में गोन्द से चिपकाई एवं धागे से बांध कर नियमानुसार ब्रास सील संख्या 82 से सील चपडी किया। इस से स्पष्ट होता है कि खाद्य पदार्थ को नियमानुसार सील किया गया है। हमने खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा तैयार फार्म नंबर 6 की प्रति का अवलोकन किया। कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ के पत्रांक/एफएसएसए/2016/2630 दिनांक 24.05.2016 से पत्रवाहक गोवर्धनलाल (सहायक कर्मचारी) के साथ आउटर कवर में सील बंद नमूने फार्म नंबर 6 एवं सील्ड लिफाफे खाद्य विश्लेषक, खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला, उदयपुर को नमूना क्रमांक **AM-677** मय लिफाफे के जमा कराये जाने हेतु भिजवाया गया। हमने खाद्य विश्लेषक जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला उदयपुर की रसीद को अवलोकन किया जिससे से जाहिर होता है कि पत्रवाहक गोवर्धनलाल (सहायक कर्मचारी) द्वारा उक्त नमूना मय लिफाफे के दिनांक 24.05.2016 को जमा कराया गया। हमने आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा प्रस्तुत नियम 2.4.1(10)(**ii**) एवं 2.4.1(10)(**iii**) के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ की रसीद का अवलोकन किया जिस से जाहिर होता है कि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा विपक्षी संख्या 1 से लिये गये शेष 3 नमूनों एवं फार्म संख्या 6 की प्रतियों को नियमानुसार अभिहित अधिकारी को जमा कराये गयें। विपक्षी संख्या 1 द्वारा आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी को

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:08 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

दिये गये बिल संख्या 112 दिनांक 23.05.2016 मैसर्स प्रेम एजेन्सी, चित्तौड़गढ़ का अवलोकन किया जो कि पत्रावली पर उपलब्ध है। हमने **Varun Beverages Ltd. Jodhpur (TRADING DIVISION)** की **TAX INVOICE** संख्या **1141094786** दिनांक 14.05.2016 का अवलोकन किया। उक्त इन्वोईस मैसर्स प्रेम एजेन्सी, चित्तौड़गढ़ के नाम पर जारी की गई है। उक्त इन्वोईस के क्रम संख्या 3 पर उक्त विवादित खाद्य पदार्थ **Tropicana Slice 1.2 L PET 12 Rs. 65** अंकित है। जिससे जाहिर होता है कि उक्त विवादित खाद्य पदार्थ मैसर्स **Varun Beverages Ltd. Jodhpur (TRADING DIVISION)** द्वारा जरिये **TAX INVOICE** संख्या **1141094786** दिनांक 14.05.2016 से मैसर्स प्रेम एजेन्सी, चित्तौड़गढ़ को विक्रय किया गया है। उक्त **TAX INVOICE** संख्या **43046821** दिनांक 17.05.2016 पर मैसर्स **Varun Beverages Ltd. Jodhpur (TRADING DIVISION)** का पता अंकित है। कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ के पत्रांक/एफएसएसए/2016/2735 दिनांक 30.05.2016 से मैसर्स **Varun Beverages Ltd. Jodhpur (TRADING DIVISION)** को आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा फार्म **V A** की प्रति जरिये रजिस्टर्ड डाक से प्रेषित की गई है, उक्त पत्र रिकार्ड पर है। हमने खाद्य विश्लेषक, उदयपुर की रिपोर्ट **LS 319/Act/2016/357 Dated 22-06-2016** का गहनता पूर्वक अवलोकन किया। खाद्य विश्लेषक, उदयपुर रिपोर्ट एवं मतानुसार अनुसार :–

Report No LS 319/ Act/2016/ 357

Certified that I PANKAJ KUMAR duly appointed under the provisions of Food Safety and Standards Act, 2006 (34 of 2006) for RAJASTHAN STATE received from Sh. Devendra Singh Ranawat, Food Safety Officer District Chittorgarh, a sample of Fruit drink (Tropicana Slice) bearing code no. and serial no. AM-677 of Designated officer (Food Safety) Cum C.M.&H.0, of District Chittorgarh on 24.05.2016 for analysis.

The condition of seals on the container and the outer covering on receipt was as follows Brass Seal No 82 Intact and unbroken. The scals fixed on the container and outer cover tallied with the specimen scal impression sent separately, along with the copy of the memorandum ,in sealed envelope.

I found the sample to be Fruit & Vegetable Products falling under Regulation No. 2.3.10(1) Thermally Processed Fruit Beverages/Fruit Drink/Ready to serve Fruit Beverages of Food Safety and Standards (food products standards and food additives) Regulations 2011. The sample was in a condition fit for analysis and has been analyzed on 26.05.2016 to 22.06.2016 and the result of its analysis is given below-

ANALYSIS REPORT--

(i) Sample description:- The sample contain in a company pack pet bottle of 1.2L.

(ii) Physical appearance:- The sample is clear, free from suspended matter, separated water; almost odorless.

(iii) Label :- Brand- Tropicana Slice, Name of food- Fruit drink, Mfg. by. Varun Beverages Ltd., Plot # 2. Surajpur, By pass Greater Noida-201305 (U.P.), Batch No.- ABN5249B18D16, Mfd date-18.04.16, Green symbol of veg.- Present. Ingredients- Water, Sugar, concentrated mango plup and alphonso mango pulp (13.6% mango pulp)), Acidity regulator (330), Stabilizer (440), preservative (202), antioxidant (300), and contains permitted synthetic food colour (102, 110), added flavours (Natural, Natural Identical and artificial flavouring substances) Contravention to Regulation 3.1.10(i) of Food Safety and Standards (food

Signature Not Verified
Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:08 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

products standards and food additives) Regulations 2011. Bestbefore 6 Months - Present. Barcode no.- 8902080404117, Fssai Lic. No.- 10012051000204.

S. No.	Quality characteristics	Name of method of test used	Result	Prescribed standards asper (a) Food Safety and Standards(food products Standards and food additive) Regulations 2011|2.3.10(1)] (b) As per label declaration For proprietary food (c) As per provisions of the Act, rules, and regulations for both the above
1	Total soluble solids (m/m)	Instrumental method, Ref:- Manual method-D.G.H.S.	15.47%	10% (min.)
2	Test for artificial sweteners	Phenolsulphuric acid test, Ref:- Manual method-D.G.H.S. (Food Additives)	Negative	Negative
3	Test for sucrose	Modified saliwanoff method, Ref:- Manual method-D.G.H.S. (Milk & Milk Products)	Positive	Positive
4	Added colouring matter	Paper Chromatographic method, Ref - Manual method-D.G.H.S. (Food Additives)	Sunset yellow & Tartrazine	Permitted
5	Microbiology Yeast and mould count	Ref:- Manual method-D.G.H.S.	Absent	Conforms Microbiology

Opinion:- The sample of Fruit drink (Tropicana Slice) Bearing code no, and serial no. AM-677 of Designated officer (Food Safety) Cum C.M.&H.O. of District Chittorgarh is misbranded food. The sample is misbranded food under section 3(1)(Zf)(C)(i) of the Food Safety & Standards Act 2006.

खाद्य विश्लेषक, उदयपुर की रिपोर्ट से जाहिर होता है कि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेन्द्र सिंह राणावत द्वारा लिया खाद्य पदार्थ का नमूना जो कि ब्रास सील से सील्ड अवस्था में खाद्य विश्लेषक का प्राप्त हुआ। उक्त नमूना निांक 26.05.2016 से 22.06.2016 तक जांच के लिये उचित था। उक्त नमूने के संबंध में खाद्य विश्लेषक द्वारा अपनी रिपोर्ट में अवगत कराया गया हैं कि **added flavours (Natural, Natural Identical and artificial flavouring substances) Contravention to Regulation 3.1.10(i) of Food Safety and Standards (food products standards and food additives) Regulations 2011.** एवं **Brand- Tropicana Slice, Name of food- Fruit drink, Mfg. by. Varun Beverages Ltd., Plot # 2. Surajpur, By pass Greater Noida-201305 (U.P.), Batch No.- ABN5249B18D16, Mfd date-18.04.16, Green symbol of veg.- Present. Ingredients- Water, Sugar, concentrated mango plup and alphonso mango pulp (13.6% mango pulp)), Acidity regulator (330), Stabilizer (440), preservative (202), antioxidant (300), and contains permitted synthetic food colour (102, 110), added flavours (Natural, Natural Identical and artificial flavouring substances) Contravention to Regulation 3.1.10(i) of Food Safety and Standards (food products standards and food additives) Regulations 2011.** है, एवं उक्त नमूना जिस पर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चितौडगढ की हस्ताक्षरशुदा पेपर स्लिप संख्या **AM-677 Fruit Drink (Tropicana Slice)** खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा **3(1)(zf(C)(i)** के तहत मिस ब्राण्ड स्तर का पाया गया है। जिसकी पुष्टि स्वरूप खाद्य विश्लेषक द्वारा रिपोर्ट प्रेषित की गई हैं जो कि रिकार्ड पर है। हमने अभिहित अधिकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चितौडगढ के रजिस्टर्ड पत्रांक/एफएसएसए/2016/3998 दिनांक 08.07.2016 का अवलोकन

Signature Not Verified
Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:08 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

किया, जिसमें अभिहित अधिकारी द्वारा मैसर्स **Varun Beverages Ltd. Jodhpur** को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 नियम 2011 की धारा 46(4) के तहत खाद्य विश्लेषक, उदयपुर से प्राप्त रिपोर्ट की प्रति प्रेषित की एवं रेफरल खाद्य प्रयोगशाला से जांच कराये जाने के संबंध में अवगत कराया गया। हमने अभिहित अधिकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चितौडगढ के रजिस्टर्ड पत्रांक/एफएसएसए/2016/5846 दिनांक 28.11.2016 का अवलोकन किया, जिसमें अभिहित अधिकारी द्वारा मैसर्स प्रेम एजेन्सी, चित्तौड़गढ़ एवं मैसर्स **Varun Beverages Ltd. Jodhpur** से फर्म के संविधान के संबंध सूचना चाही गई। इसके साथ ही उक्त सूचना सहायक वाणिज्य कर अधिकारी, वाणिज्य कर विभाग, चित्तौड़गढ़ एवं उपायुक्त वाणिज्य कर विभाग, जोधपुर से फर्मो के टिन नंबर प्रेषित कर उक्त सूचना चाही गई। इस पर सहायक वाणिज्यिक कर अधिकारी, घट द्वितीय वृत्त चित्तौड़गढ़ द्वारा पत्रांक/सवाकअ/घट द्वितीय/784 से मैसर्स प्रेम एजेन्सी की सूचना प्रेषित की गई उक्त पत्र रिकार्ड पर है। वाणिज्यिक कर अधिकारी, वृत्त ई जयपुर द्वारा पत्रांक/वा. क.अ./ई/16-17/655 दिनांक 09.01.2017 से मैसर्स **Varun Beverages Ltd.** टिन संख्या 08621650618 सूचना प्रेषित की गई उक्त पत्र रिकार्ड पर है। मैसर्स **Varun Beverages Ltd. Jaaipur** द्वारा पत्र दिनांक 10.04.2017 से सूचना उपलब्ध कराई गई। हमने अभिहित अधिकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चितौडगढ के रजिस्टर्ड पत्रांक/एफएसएसए/2017/1276 दिनांक 30.03.2017 का अवलोकन किया, जिसमें अभिहित अधिकारी द्वारा मैसर्स मैसर्स **Varun Beverages Ltd. Noida** से फर्म के संविधान के संबंध सूचना चाही गई। इस पर मैसर्स **Varun Beverages Ltd. Jaipu** द्वारा पत्रांक दिनांक 10.04.2017 से उक्त सूचना अभिहित अधिकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ को उपलब्ध कराई गई जो कि रिकार्ड पर है। खाद्य सुरक्षा अनुज्ञा पत्र 10012051000204 प्रेषित की जो कि मैसर्स **Varun Beverages Ltd.** का होकर दिनांक 31.12.2020 तक नवीनीकृत था। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ द्वारा पत्रांक/एफएसएसए/2017/1646 दिनांक 27.04.2017 द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 नियम 2011 की धारा 36 की उपधारा 3(**e**) के तहत अभियोजन आवेदन प्रस्तुत किये जाने की अभियोजन स्वीकृति आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी को दी जाकर अधिकृत किया गया है। उक्त समस्त दस्तावेज शामिल पत्रावली होकर रिकार्ड पर है। विपक्षीगण अपने जवाब परिवाद में उठाये गये तथ्यों के संबंध में विपक्षीगण को अभिहित अधिकारी द्वारा खाद्य विश्लेषक उदयपुर की रिपोर्ट प्रेषित की जाकर जरिये रजिस्टर्ड पत्र से रेफरल खाद्य प्रयोगशाला से नमूना जांच हेतु अवगत करा दिया किन्तु विपक्षीगण अधिनियम की धारा 46(4) का प्रयोग निर्धारित समयावधि में नहीं किया गया प्रतीत होता है। इसके साथ ही विपक्षीगण द्वारा अपने जवाब परिवाद में केवल न्यायिक दृष्टांतों का उल्लेख किया गया है जबकि उक्त न्यायिक दृष्टांत

Signature Not Verified
Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:08 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

की प्रतियॉ न्यायालय के अवलोकन हेतु प्रस्तुत नहीं की गई है। ऐसी स्थिति विपक्षीगण द्वारा न्यायिक दृष्टांत के उल्लेख के संबंध में किसी भी प्रकार से कोई टिप्पणी किया जाना उचित नहीं है। एवं उक्त न्यायिक दृष्टांत हस्तगत प्रकरण पर पूर्ण रूप से चस्पांगी नहीं होते है। इसके साथ ही विपक्षीगण द्वारा जो तथ्य अपने जवाब परिवाद में उठाये गये है उन तथ्यों को आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी दस्तोवेजी साक्ष्य से साबित कराया गया है, एवं हम आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा किये गये अनुसंधान से पूर्ण रूप से संतुष्ट है, ऐसी स्थिति में हमारा अभिमत है कि पत्रावली में किसी भी प्रकार अतिरिक्त साक्ष्य एवं शहादत की आवश्यकता नहीं है।

खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 25 में खाद्य पदार्थो के आयात एवं धारा 26 में खाद्य कारोबारकर्त्ता के दायित्वों का उल्लेख किया गया है। इसके अनुसार प्रत्येक खाद्य कारोबारकर्त्ता यह सुनिश्चित करेगा कि खाद्य वस्तुएं इस अधिनियम और इसके अधीन बनाए गए नियमों और विनियमों कि अपेक्षाओं को अपने नियंत्रणाधीन कारोबार को अंदर उत्पादन, प्रसंस्करण, आयात, वितरण और विक्रय के सभी प्रक्रमों को पूरा करती है। निर्माता को निर्माण/पैकिंग के समय ही लेबल पर नियमानुसार सभी आवश्यक पूर्तियां करनी चाहिये थी, किन्तु अप्रार्थी का भी यह दायित्व बनता है कि वह आयातित खाद्य पदार्थ के विक्रय हेतु प्रदर्शित करने से पूर्व यह सुनिश्चित करना चाहिये कि उक्त खाद्य पदार्थ पर नियमानुसार पूर्ति है। सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा **(2) (ii)** का अवलोकन किया अधिनियम की धारा 25 से 27 में निम्न प्रावधान प्रावधित किये गये है :–

25. All imports of articles of food to be subject to this Act.

(1) No person shall import into India –

- (i) any unsafe or misbranded or sub-standard food or food containing extraneous matter;
- (ii) any article of food for the import of which a licence is required under any Act or rules or regulations, except in accordance with the conditions of the licence; and
- (iii) any article of food in contravention of any other provision of this Act or of any rule or regulation made thereunder or any other Act.

(2) The Central Government shall, while prohibiting, restricting or otherwise regulating import of article of food under the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 (22 of 1992), follow the standards laid down by the Food Authority under the provisions of this Act and the Rules and regulations made thereunder.

26. Responsibilities of the Food business operator.

(1) Every food business operator shall ensure that the articles of food satisfy the requirements of this Act and the rules and regulations made thereunder at all stages of production, processing, import, distribution and sale within the businesses under his control.

(2) No food business operator shall himself or by any person on his behalf manufacture, store, sell or distribute any article of food –

- (i) which is unsafe; or
- (ii) which is misbranded or sub-standard or contains extraneous matter; or

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:08 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

(iii) for which a licence is required, except in accordance with the conditions of the licence; or
(iv) which is for the time being prohibited by the Food Authority or the Central Government or the State Government in the interest of public health; or
(v) in contravention of any other provision of this Act or of any rule or regulation made thereunder.

(3) No food business operator shall employ any person who is suffering from infectious, contagious or loathsome disease.

(4) No food business operator shall sell or offer for sale any article of food to any vendor unless he also gives a guarantee in writing in the form specified by regulations about the nature and quality of such article to the vendor: Provided that a bill, cash memo, or invoice in respect of the sale of any article of food given by a food business operator to the vendor shall be deemed to be a guarantee under this section, even if a guarantee in the specified form is not included in the bill, cash memo or invoice.

(5) Where any food which is unsafe is part of a batch, lot or consignment of food of the same class or description, it shall be presumed that all the food in that batch, lot or consignment is also unsafe, unless following a detailed assessment within a specified time, it is found that there is no evidence that the rest of the batch, lot or consignment is unsafe: Provided that any conformity of a food with specific provisions applicable to that food shall be without prejudice to the competent authorities taking appropriate measures to impose restrictions on that food being placed on the market or to require its withdrawal from the market for the reasons to be recorded in writing where such authorities suspect that, despite the conformity, the food is unsafe.

27. Liability of the manufacturers, packers, wholesalers, distributors and sellers

(1) The manufacturer or packer of an article of food shall be liable for such article of food if it does not meet the requirements of this Act and the rules and regulations made thereunder.

(2) The wholesaler or distributor shall be liable under this Act for any article of food which is–
(a) Supplied after the date of its expiry; or
(b) Stored or supplied in violation of the safety instructions of the manufacturer; or
(c) Unsafe or misbranded; or
(d) Unidentifiable of manufacturer from whom the article of food have been received; or
(e) Stored or handled or kept in violation of the provisions of this Act, the rules and regulations made thereunder; or
(f) received by him with knowledge of being unsafe.

(2) The seller shall be liable under this Act for any article of food which is –
(a) sold after the date of its expiry; or
(b) handled or kept in unhygienic conditions; or
(c) misbranded; or
(d) unidentifiable of the manufacturer or the distributors from whom such articles of food were received; or
(e) received by him with knowledge of being unsafe.

अधिनियम के अनुसार खाद्य पदार्थ विक्रेता/निर्माता को उक्तानुसार विधि की पालना किया जाना अपेक्षित हैं, किन्तु इनके द्वारा इसकी जांच नही कर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा **(2) (ii)** का उल्लघंन किया

Signature Not Verified
Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:08 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

गया है। अतः उक्त प्रावधानों के तहत् अप्रार्थीगण को दोष मुक्त नही किया जा सकता है। अतः अप्रार्थीगण को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा **(2) (ii)** का उल्लघंन किये जाने का दोष प्रमाणित माना जाता है एवं अप्रार्थीगण विपक्षी संख्या 1 को उक्त खाद्य पदार्थ का विक्रेता होने से, विपक्षी संख्या 2 को विपक्षी संख्या 3 मैसर्स वरूण बेवरेजेज लिमिटेड, एसपीलएल–1–159, रिको इण्डस्ट्रीयल एरिया फैज ااا, बोरानाडा, जोधपुर 342007 (कम्पनी ब्रान्च) फोन नम्बर 02931 231229 को नोमिनी होने से विपक्षी संख्या 1 श्री प्रेम प्रकाश पुत्र ईश्वरदास उम्र 31 वर्ष (विक्रेता/मालिक) मैसर्स प्रेम एजेन्सी, गुरूद्वारे के सामने, प्रतापनगर, चित्तौड़गढ़ निवासी 49, विश्वनाथ कॉलोनी, प्रतापनगर, चित्तौड़गढ़, विपक्षी संख्या 2 श्री सत्यप्रकाश चौहान पुत्र मनीराम (नोमिनी) निवासी म.सं. 51/11/1 एफ बी, जे.पी. कॉलोनी, वेस्ट अर्जुन नगर पुलिस थाना शाहगंज, तहसील व जिला आगरा उत्तर प्रदेश पिन 282001 मैसर्स वरूण ब्रेवरेजेज लिमिटेड, एसपीलएल–1–159, रिको इण्डस्ट्रीयल एरिया फैज ااا, बोरानाडा, जोधपुर 342007 को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा **(2) (ii)** के दोष का दोषी पाया जाकर दोषसिद्धि घोषित की जाती है।

खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा **(2) (ii)** के तहत दोष सिद्ध अभिुक्त को अधिनियम की धारा 52 के अनुसार अर्थदण्ड से दण्डित किये जाने के प्रावधान हैं। हमने पत्रावली का आद्योपांत अवलोकन किया। तथ्यों का मनन किया। अर्थदण्ड के बिन्दु पर चिंतन किया। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 के तहत दोष सिद्ध अभियुक्त को अर्थदण्ड से दण्डित किये जाने के संबंध में अधिनियम की धारा 49 में वर्णित तथ्यों के आधार पर दण्डित किये जाने के प्रावधान प्रावधित किये गये हैं। अधिनियम की धारा 49 एवं 52 के अनुसार–

49. General provisions relating to penalty.

While adjudging the quantum of penalty under this Chapter, the Adjudicating Officer or the Tribunal, as the case may be, shall have due regard to the following:-

(a) The amount of gain or unfair advantage, wherever quantifiable, made as a result of the contravention,

(b) The Amount of loss caused or likely to cause to any person as a result of the contravention,

(c) The repetitive nature of the contravention,

(d) Whether the contravention is without his knowledge, and

(e) Any other relevant factor,

52. Penalty for misbranded food.

(1) Any person who whether by himself or by any other person on his behalf manufactures for sale or stores or sells or distributes or imports any article of food for human consumption which is misbranded, shall be liable to a penalty which may extend to three lakh rupees.

Signature Not Verified
Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:08 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

(2) The Adjudicating Officer may issue a direction to the person found guilty of an offence under this section, for taking corrective action to rectify the mistake or such article of food shall be destroyed.

विपक्षी संख्या 1,एवं 2 की दोष सिद्धि घोषित की गई है, इसके साथ विपक्षी संख्या 3 कम्पनी की ब्रांच एवं 4 निर्माता कम्पनी है, जिसके नोमिनी विपक्षी संख्या 2 है, जिससे अर्थदण्ड विपक्षी संख्या 1, 2, 4 पर किया जाना उचित प्रतीत होता है, अतः को उक्त खाद्य पदार्थ का विक्रय एवं निर्माण करने से खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा **(2) (ii)** में अभियुक्त की दोषसिद्धि घोषित किये जाने से अभियुक्त संख्या 1 श्री प्रेम प्रकाश पुत्र ईश्वरदास उम्र 31 वर्ष (विक्रेता/मालिक) मैसर्स प्रेम एजेन्सी, गुरूद्वारे के सामने, प्रतापनगर, चित्तौड़गढ़ निवासी 49, विश्वनाथ कॉलोनी, प्रतापनगर, चित्तौड़गढ़ को रूपये 15,000/- अक्षरे पन्द्रह हजार मात्र, अभियुक्त संख्या 2 श्री श्री सत्यप्रकाश चौहान पुत्र मनीराम (नोमिनी) निवासी म.सं. 51/11/1 एफ बी, जे.पी. कॉलोनी, वेस्ट अर्जुन नगर पुलिस थाना शाहगंज, तहसील व जिला आगरा उत्तर प्रदेश पिन 282001 मैसर्स वरूण ब्रेवरेजेज लिमिटेड, एसपीलएल-1-159, रिको इण्डस्ट्रीयल एरिया फैज III, बोरानाडा, जोधपुर 342007 को रूपये 35,000/- अक्षरे पैंतीस हजार, विपक्षी संख्या 4 मैसर्स मैसर्स वरूण ब्रेवरेजेज लिमिटेड, बी, पृथ्वीराज रोड, नई दिल्ली 110020 फोन नम्बर 0120 46300300, 4600350 को रूपये 1,50,000/- अक्षरे एक लाख पचास हजार रूपये अर्थात विपक्षीगण पर कुल शास्ति रूपये 2,00,000/- अक्षरे दो लाख रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया जाता है।

अभियुक्त उपरोक्त अर्थदण्ड एक माह की अवधि में मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ के मार्फत राजकोष में जमा करावें। मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी चित्तौड़गढ़ को निर्देश दिये जाते है कि नियत समयावधि में शास्ति राशि जमा नही कराने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 96 के तहत् शास्ति राशि भू-राजस्व के बकाया की तरह वसूल करने की कार्यवाही करावे। निर्णय की प्रति मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी चित्तौड़गढ़ को पालनार्थ भिजवाई जावें। पत्रावली की गणना निर्णित इन्द्राज की जाकर बाद आवश्यक कार्यवाही के अभिलेखागार भिजवाई जावे।

यह निर्णय खुले न्यायालय में आज दिनांक <u>24.03.2021</u> को लिखाया जाकर सुनाया गया।

(रतन कुमार)
न्याय निर्णयन अधिकारी
एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट,
जिला चित्तौड़गढ़

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

Signature Not Verified
Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:08 IST
Reason: SelfAttested